

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS19601	ImageGroup:	I8LS19603
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ས་དཔྱད་བྱེ་མ་ལག་ཁྲིད་དང་མོན་མོ་མཚུབ་ཚུགས་ཞེས་པའི་གཞུང་རྒྱུ་མི་འདྲ་བ་རྒྱམས་བསྟུས་ཏེ་གསལ་བར་བཏོད་པ། sa dpyad bye ma lag khrid dang mon mo mdzub tshugs zhes pa'i gzhung rnam dbye mi 'dra ba rnams bsdu te gsal bar bkod pa/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ଦ୍ବିତୀୟ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ତୃତୀୟ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ଚତୁର୍ଥ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ପଞ୍ଚମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ଷଷ୍ଠ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ସପ୍ତମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ଅଷ୍ଟମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ନବମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ
ଦଶମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ ଚକ୍ରାକ୍ଷରମ୍ବରାଧିପତିମାନେ ନାମ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ଦିନପ୍ରଦୀପିକା ନିବନ୍ଧାଂଶୁ ଗତିଶିଳ୍ପପ୍ରଦର୍ଶନ ବେଶ୍ୱେନ୍ଦ୍ରାୟାୟାଦିପାଦିନୀଂଶୁ ଶ୍ରୀରାମାୟାୟା
ଦିନପ୍ରଦୀପିକା ଶାସ୍ତ୍ରୀକାବ୍ୟାଳୟପ୍ରଦତ୍ତା ଶାସ୍ତ୍ରୀକାୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ନିବନ୍ଧାଂଶୁ
କାବ୍ୟାୟାୟାଦିପିକା ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶ୍ରୀ
ପ୍ରଦୀପିକାୟାୟାଦିପିକା ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶ୍ରୀ
ଦିନପ୍ରଦୀପିକାୟାୟାଦିପିକା ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶ୍ରୀ
ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପକାବ୍ୟାୟାଦିଶିଳ୍ପିନୀ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

७। ०। २। ३। ४। ५। ६। ७। ८। ९। १०। ११। १२। १३। १४। १५। १६। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1875

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

०१॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

५ ... निम्नोक्तानि विप्रसृतानि सन्ति ।
विप्रसृताः सन्ति । विप्रसृताः सन्ति ।
विप्रसृताः सन्ति । विप्रसृताः सन्ति ।
विप्रसृताः सन्ति । विप्रसृताः सन्ति ।
विप्रसृताः सन्ति । विप्रसृताः सन्ति ।
विप्रसृताः सन्ति । विप्रसृताः सन्ति ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

ଚନ୍ଦ୍ରାବଳୀପରିଧାନ ମହାପ୍ରଭାବେ ନିଧନେଷୁ - ଗାୟତ୍ରୀବଳ୍ୟ ଶିଳ୍ପେ ଶିଳ୍ପ
 ଶ୍ରୀମତୀପରିଧାନ ଶ୍ରୀମତୀବଳ୍ୟପ୍ରଭାବେ ନିଧନେଷୁ - ଗାୟତ୍ରୀବଳ୍ୟ ଶିଳ୍ପେ ଶିଳ୍ପ
 ଶ୍ରୀମତୀବଳ୍ୟପ୍ରଭାବେ ନିଧନେଷୁ - ଗାୟତ୍ରୀବଳ୍ୟ ଶିଳ୍ପେ ଶିଳ୍ପ
 ଶ୍ରୀମତୀବଳ୍ୟପ୍ରଭାବେ ନିଧନେଷୁ - ଗାୟତ୍ରୀବଳ୍ୟ ଶିଳ୍ପେ ଶିଳ୍ପ
 ଶ୍ରୀମତୀବଳ୍ୟପ୍ରଭାବେ ନିଧନେଷୁ - ଗାୟତ୍ରୀବଳ୍ୟ ଶିଳ୍ପେ ଶିଳ୍ପ
 ଶ୍ରୀମତୀବଳ୍ୟପ୍ରଭାବେ ନିଧନେଷୁ - ଗାୟତ୍ରୀବଳ୍ୟ ଶିଳ୍ପେ ଶିଳ୍ପ

[illegible]

১৫। মনিঃ কাম্যঃ ১০২। ১৮। ৭। দীপ্তিঃ বিঃ ১০৩। ১৯। ৮। ৮। ১০। ১১। ১২। ১৩। ১৪। ১৫। ১৬। ১৭। ১৮। ১৯। ২০।
 ২১। ২২। ২৩। ২৪। ২৫। ২৬। ২৭। ২৮। ২৯। ৩০। ৩১। ৩২। ৩৩। ৩৪। ৩৫। ৩৬। ৩৭। ৩৮। ৩৯। ৪০।
 ৪১। ৪২। ৪৩। ৪৪। ৪৫। ৪৬। ৪৭। ৪৮। ৪৯। ৫০। ৫১। ৫২। ৫৩। ৫৪। ৫৫। ৫৬। ৫৭। ৫৮। ৫৯। ৬০।
 ৬১। ৬২। ৬৩। ৬৪। ৬৫। ৬৬। ৬৭। ৬৮। ৬৯। ৭০। ৭১। ৭২। ৭৩। ৭৪। ৭৫। ৭৬। ৭৭। ৭৮। ৭৯। ৮০।
 ৮১। ৮২। ৮৩। ৮৪। ৮৫। ৮৬। ৮৭। ৮৮। ৮৯। ৯০। ৯১। ৯২। ৯৩। ৯৪। ৯৫। ৯৬। ৯৭। ৯৮। ৯৯। ১০০।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीरामाय नमः ॥
 श्रीलक्ष्मणाय नमः ॥
 श्रीबाल्याय नमः ॥
 श्रीहनुमान्त्यै नमः ॥
 श्रीगौरीश्वराय नमः ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
 उपनिषद्संख्ययोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य त्रिभुवनं
 गच्छामासुः शशिपुत्रं कुरुकुलेन सह ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव आसुराः ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव आसुराः ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव आसुराः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
 उपनिषद्संख्ययोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

The first of these is the
 fact that the system is
 not self-sufficient. It
 requires a constant
 supply of raw materials
 and labor. The second
 is that the system is
 not self-sufficient. It
 requires a constant
 supply of raw materials
 and labor. The third
 is that the system is
 not self-sufficient. It
 requires a constant
 supply of raw materials
 and labor.